

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड,
ननूरखेड़ा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1 (बेसिक)

देहरादून:

दिनांक: ०५ फरवरी, 2010

विषय:-

12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़ के प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों के क्षतिग्रस्त भवनों के अनुरक्षण हेतु अनुदान की धनराशि स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-47243/5ख(03)-12वा वि० आ०-वि०म०/2009-10, दिनांक 12.10.2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 12वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार 05 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के भवनों के विशेष मरम्मत हेतु प्रारम्भिक आगणन के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुति रू० 3.44 लाख (रुपये तीन लाख चौवालीस हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि व्यय किये जाने की, श्री राज्यपाल महोदय, चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- उक्त धनराशि का उपयोग 15.02.2010 तक करते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर शासन को अवश्यमेव उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।
- कार्य कराने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृत प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- कार्य पर उतना ही व्यय किये जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

②

6. एक मुश्त प्राविधानों को, कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कराना आवश्यक होगा।
7. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना आवश्यक होगा।
8. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकता) से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य करना आवश्यक होगा।
9. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
10. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाय।
11. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन भी किया जाय।
12. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखाशीर्षक 2059-लोक निर्माण कार्य-80-सामान्य आयोजनेत्तर-053-रख-रखाव तथा मरम्मत-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-0101-12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत भवनों का अनुरक्षण-29-अनुरक्षण के नामें डाला जायेगा।
13. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-434(NP)/वित्त अनुभाग-3/2010, दिनांक 04.02.2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

(डा० राकेश कुमार)
सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105, इन्द्रानगर, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, पिथौरागढ़ (निदेशक, विद्यालयी शिक्षा के माध्यम से)।
5. अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक), पिथौरागढ़ (निदेशक, विद्यालयी शिक्षा के माध्यम से)।
6. वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त आयोग, निदेशालय, वित्त विभाग, सचिवालय, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव।

संख्या-1935 / XXIV(1) / 2009-43 / 2009, दिनांक १५-२-२०१० का संलग्नक।

क्र. सं.	कार्ययोजना का नाम	विभागीय आगणन	टी०ए०सी० द्वारा संस्तुत धनराशि (लाख रुपये में)
1.	रा०प्रा०वि० कीनीगाड़	0.76	0.76
2.	जूनियर हाईस्कूल किनीगाड़	0.80	0.80
3.	रा०प्रा०वि० वास्ते	0.76	0.76
4.	रा०प्रा०वि० चमना	0.78	0.78
5.	रा०प्रा०वि० कानीधुरा	0.36	0.34
योग:-		3.46	3.44

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव।